पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द को आदरांजलि अर्पित की
स्वामी विवेकानन्द भविष्य के दृष्टिदाता हैं - राज्यपाल

लखनऊः 12 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज स्वामी विवेकानन्द की जयन्ती पर लखनऊ के अमीनाबाद के झण्डेवाला पार्क स्थित स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर आदरांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री आशुतोष टण्डन, मंत्री बृजेश पाठक, महापौर श्रीमती संयुक्ता भाटिया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विवेकानन्द आचार और विचार के संगम थे। देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में जाकर विवेकानन्द ने प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं वसुधैव कुटुम्बकम का महत्व बताया। विवेकानन्द ने अमेरिका के शिकागो में सर्वधर्म समभाव सम्मेलन में भाषण देकर भारत के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला था जहाँ भारतीयों को घृणा की दृष्टि से देखा जाता था। शिकागो के अपने सम्बोधन में 'भाई-बहनों' से सम्बोधित करना उनके व्यक्तित्व को दर्शाता है। विवेकानन्द इतनी अल्पायु में जो कुछ कर गये, वह आने वाली शताब्दियों तक विश्व को दिशा और गति प्रदान करता रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द का व्यक्तित्व श्रेष्ठतम व्यक्तित्व है।

श्री नाईक ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द भविष्य के दृष्टिदाता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने अल्प आयु में अपने विचारों के माध्यम से भारत की अलग पहचान बनाई। उनके विचारों से समाज में जागरूकता आई। उन्होंने कहा कि महापुरूषों की प्रतिमा चेतना जागृत करने के उद्देश्य से लगाई जाती है। राज्यपाल ने कहा कि जब वे उत्तर प्रदेश आये तो उन्होंने देखा कि यहाँ अनेक महापुरूषों की प्रतिमायें हैं। उनका विचार है कि महानुभावों की प्रतिमायें आदर्श का रूप होती हैं। उन्होंने तय किया कि महानुभावों की जयंती एवं पुण्य तिथि पर उनकी प्रतिमा पर जाकर आदर व्यक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरूषों के विचारों को अपने जीवन में उतारने का हम सबको प्रयास करना चाहिये, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किये और स्वामी विवेकानन्द को श्रद्धांजलि अर्पित की।

अंजुम/ललित/राजभवन (14/14)